सेंट जेवियर सीनियर सेकंडरी विद्यालय दिल्ली– 54

द्वितीय आवधिक परीक्षा

दिनाँक –27.9.2021 हिंदी पाठ्यक्रम–अ कक्षा 10 समय–90 मिनट

नामः– ———————————————————— कक्षाः– ———————— अनुक्रमांकः– ————————

सामान्य निर्देश– इस प्रश्न पत्र में तीन खंड हैं –खंड –क, खंड– ख और खंड –ग।

- इस प्रश्न पत्र में कुल 10 वस्तुपरक प्रश्न पूछे गए हैं। सभी प्रश्नों में उपप्रश्न दिए गए हैं। दिए गए निर्देशों का पालन करते हुए प्रश्नों के उत्तर दीजिए।
- खंड –क के कुल 20 प्रश्न पूछे गए हैं, दिए गए निर्देशों का पालन करते हुए केवल 10 प्रश्नों के ही उत्तर दीजिए।
- खंड –ख में कुल 20 प्रश्न पूछे गए हैं, दिए गए निर्देशों का पालन करते हुए केवल 16 प्रश्नों के ही उत्तर दीजिए।
- खंड –ग में कुल 14 प्रश्न पूछे गए हैं। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।
- सही उत्तर वाला विकल्प (क, ख, ग, घ) नीली या काली स्याही वाले बॉल पॉइंट पेन से ही ओ.एम.आर शीट में भरें।

खंड –क

(अपठित गद्यांश) अंक–10

प्र 1. नीचे <u>दो अपठित</u> गद्यांश दिए गए हैं । किसी **<u>एक गद्यांश</u>** को ध्यानपूर्वक पढ़ें और उस पर आधारित प्रश्नों के सही विकल्प चुन कर लिखिए– 1×5=5

संयुक्त परिवार क्या बिखरे कि परिवार नामक संस्था तथा घर के माननीय बुजुर्ग–दोनों महत्वहीन हो गए। महत्वाकांक्षाओं का लपलपाता, लज्जाहीन समुद्र एक के अस्तित्व को लील गया और दूसरे के सम्मान को। अपने रोज़गार को ढूँढ़ने, जीवनस्तर को उच्च कोटि का करने तथा भौतिक सुखों की चाह में परिवार के घटक टूटकर इधर–उधर बिखरने लगे और इस हड़बड़ाहट में किसी ने भी यह नहीं सोचा कि परिवार के बूढ़ों को भी उनका प्रेम, ध्यान तथा स्नेह चाहिए। अधिकतर परिवारों में आजकल बूढ़ों की स्थिति मिट्टी की एक मूर्ति की तरह हो गई है, खाना खाओ, दवाई खाओ और मुँह बंद करके चुपचाप एक ओर बैठे रहो। उनसे यह अपेक्षा की जाती है कि वे न तो कुछ बोलें और न ही कुछ पूछें। घर में किसी बाहरी व्यक्ति के आने पर उन्हें चुपचाप उठकर चले जाना होता है। घर में उनकी स्थिति बहुत असम्माननीय तथा उपेक्षित होती है। यदि वे सामने वाले अर्थात बेटा–बहू अथवा बेटी जामाता की शर्तों पर रहना चाहें तो ठीक, अन्यथा पैसे हैं, तो ओल्ड एज होम चले जाएँ, नहीं तो सड़कें तो हैं ही।

प्र (1). परिवार नामक संस्था के अस्तित्व को कौन लील गया?
(क) एक साथ रहने के लिए जगह की कमी (ख) शिक्षा की कमी
(ग) महत्वाकाँक्षाओं का लपलपाता लज्जाहीन समुद्र (घ) माननीय बुजुर्ग

प्र (2) जीवनस्तर को ऊँचा बनाने तथा भौतिक सुखों की चाह में क्या होने लगा ?
(क) व्यय में वृद्धि (ख) शिक्षा स्तर में वृद्धि
(ग) परिवार के घटकों का विघटन (घ) बुजुर्गों के सम्मान में वृद्धि

प्र (3) परिवार के बूढ़ों को क्या चाहिए?
(क) परिवार के सदस्यों का प्रेम, ध्यान और स्नेह (ख) परिवार के सदस्यों से पैसे
(ग) परिवार के सदस्यों से आवश्यकताओं की पूर्ति (घ) पक्के घर

प्र (4) आजकल परिवार में मिट्टी की मूर्ति की तरह किन की स्थिति हो गई है?
(क) परिवार की महिलाओं की (ख) परिवार के बच्चों की
(ग) परिवार के बूढ़ों की (घ) परिवार के जामाताओं की

प्र (5) ''ओल्ड एज होम' किनके लिए बने हैं?
(क) बहुओं के लिए (ख) जामाताओं के लिए
(ग) बुजुर्गों के लिए (घ) छोटे बच्चों के लिए

<u>अथवा</u>

सफलता प्राप्त करने के लिए जिन गुणों और वृत्तियों का होना आवश्यक है, वे हैं– परिश्रम, प्रसन्नता, पवित्रता और प्रेम । कहा गया है कि काम में ही भगवान की भक्ति है। इसका अभिप्राय यह है कि जब हम काम में लीन होते हैं और अपने आसपास की सभी वस्तुओं के बारे में भूल जाते हैं, तभी काम में हमारी लगन के कारण हमें सफलता प्राप्त होती है। यह भी आवश्यक है कि परिश्रम या काम निस्स्वार्थ भाव से अर्थात बिना फल प्राप्ति की इच्छा से किया जाना चाहिए। गीता का सर्वप्रसिद्ध श्लोक – 'कर्मण्येवाधिकारस्ते मा फलेषु कदाचन' इसी सत्य का द्योतक है। हम काम अथक अथवा निर्बाध भाव से इस प्रकार करें, जिस प्रकार सरिता या नदी हर मौसम में बिना विश्राम किए अपने मार्ग के पत्थरों को काटती हुई चलती जाती है। जीवन में संघर्ष तथा बाधाएँ आती रहती हैं, पर धैर्यवान व्यक्ति हमेशा प्रसन्न रहता है। प्रभु पर अटूट विश्वास रखते हुए बिना किसी भय, चिंता या दुख के अपने काम में सफलतापूर्वक जुटे रहना तथा अपने मस्तिष्क को सदैव शांत रखना ही स्वस्थ रहने की कुंजी है। सफलता का एक अन्य रहस्य है – पवित्रता। हमें अपने विचारों को **Contd....2.**

पवित्र रखना चाहिए। सीमित स्वार्थों से ऊपर उठकर अपने साथियों के सुख–दुख में उनका साथ देते हुए निर्भय होकर अपने सार्वभौमिक प्रेम का परिचय देना, सफलता का अन्य महत्वपूर्ण तरीका है। सभी को अपना समझते हुए, उनका यथोचित सम्मान करते हुए, ऊँच–नीच की भावना का त्याग करते हुए अपने पथ पर बढ़ते रहना ही सफलता का कारण है।

प्र (1) 'कर्मण्येवाधिकारस्ते मा फलेषु कदाचन' यह श्लोकांश कहाँ से लिया गया है?
(क) रामायण से (ख) उपनिषद से (ग) शिव पुराण से (घ) गीता से

प्र (2) हमें अपने विचारों को कैसा रखना चाहिए?
(क) सीमित (ख) विस्तृत (ग) पवित्र (घ) निर्भय

प्र (3) गद्यांश के अनुसार हमें कौन–सी भावना का त्याग करना चाहिए?
(क) अपने पराए की (ख) सुख–दुख की (ग) ऊँच–नीच की (घ) जय–पराजय की

प्र (4) 'निर्भय' शब्द में प्रयुक्त उपसर्ग कौन–सा है?
(क) नि (ख) निर् (ग) निरा (घ) नी

प्र (5) 'सुख–दुख' शब्द में कौन–सा समास है?
(क) कर्मधारय (ख) बहुबीहि (ग) तत्पुरुष (घ) द्वंद्व

प्र 2. नीचे दो काव्यांश दिए गए हैं। किसी **<u>एक काव्यांश</u>** को ध्यानपूर्वक पढ़िए और उस पर आधारित प्रश्नों के उत्तर के सही विकल्प चुनकर लिखिए– 1×5=5

ओ निराशा तू बता क्या चाहती है?
मैं कठिन तूफान कितने झेल आया।
मैं रुदन के पास हँस हँस खेल आया।
मृत्यु–सागर तीर पर पद–चिह्न रखकर
मैं अमरता का नया संदेश लाया।
आज तू किसको डराना चाहती है?
ओ निराशा तू बता क्या चाहती है?
शूल क्या देखूँ चरण जब उठ चुके हैं।
हार कैसी, हौसलें जब बढ़ चुके हैं।

तेज मेरी चाल आँधी क्या करेगी?
आग में मेरे मनोरथ तप चुके हैं।
आज तू किससे लिपटना चाहती है?
चाहता हूँ मैं कि नभ–थल को हिला
और रस की धार सब जग को पिला
चाहता हूँ पग प्रलय–गति से मिलाकर
आह की आवाज़ पर मैं आग रख दूँ।
आज तू किसको जलाना चाहती है?
ओ निराशा तू बता क्या चाहती है?

प्र (1) कवि निराशा को ललकारते हुए अपने बारे में बता रहा है कि
(क) वह परेशानियों से पराजित हुआ है। (ख) वह तूफानों से डरा है।
(ग) उसको दुखों ने रुलाया है। (घ) वह अमरता का संदेश लेकर आया है

प्र (2) निराशा किसे डराना चाहती है?
(क) साहसी कवि को (ख) मननशील पाठक को
(ग) जुझारू वीरों को (घ) निराश व्यक्ति को

प्र (3) कवि क्या चाहता है?
(क) विश्व में अशांति (ख) इच्छाओं की पूर्ति
(ग) संसार में क्रांति (घ) असीमित अधिकार

प्र (4) कविता का मुख्य संदेश है
(क) वीरता (ख) नश्वरता (ग) क्रांतिकारिता (घ) आशावादिता

प्र (5) मृत्यु–सागर में अलंकार है–
(क) श्लेष (ख) अनुप्रास (ग) उत्प्रेक्षा (घ) रूपक

अथवा

आदमी हो स्नेह बाती बन नया दीपक जलाना।
दर्द की परछाइयों के दानवी बंधन हटाना।
छटपटाती जिंदगी को चेतना संगीत देना।
विश्व को नवपंथ देना हारते को जीत देना।
आदमी हो बुझ रहे ईमान को विश्वास देना।
मुस्कुराकर वाटिका में मधुभरा मधुमास देना।
शूल के बदले जगत को फूल की सौगात देना।
जो पिछड़ता हो उसे नवशक्ति देना साथ देना।

आदमी हो डूबते मंझधार में पतवार देना।
थक चला विश्वास साथी, आस्था आधार देना।
क्रांति का संदेश देकर राह युग की मोड़ देना।
फिर नया मानव बनाना रूढ़ियों को तोड़ देना।
आदमी हो, द्वेष के तूफान को हँसकर मिटाना ।
कंठ भर विष–पान करना किंतु सबको प्यार देना।
मेटना मजबूरियों को, दीन को आधार देना।
खाइयों को पाटना, बिछड़े दिलों को जोड़ देना।

प्र (1) काव्यांश में 'बार–बार आदमी हो' क्यों कहा गया है?
(क) ईमानदारी पर बल देने के लिए (ख) मानवोचित काम करने का आग्रह करने के लिए
(ग) बुराइयों से बचाने के लिए (घ) आदमी होने की याद दिलाने के लिए

प्र (2) ''शूल के बदले फूल देना' का तात्पर्य है –
(क) मिटते ईमान को विश्वास देना (ख) दुर्बल को नई शक्ति देना
(ग) दुख के बदले सुख देना (घ) जीवन को आनंद से भर देना

Contd....3.

प्र (3) ''मंझधार'' और ''नाव'' प्रतीक हैं–
(क) नदी और नाव (ख) मुसीबत और सहारा
(ग) विवशता और सहायता (घ) विवशता और सहयोग

प्र (4) कविता में 'खाइयों को पाटना' का अभिप्राय है–
(क) गड्ढा भरना (ख) मेल–मिलाप की बातें करना
(ग) गरीबों की सहायता करना (घ) आपसी शत्रुता को मिटाना

प्र (5) ''स्नेह–बाती' में अलंकार है–
(क) अनुप्रास (ख) उपमा (ग) रूपक (घ) उत्प्रेक्षा

खंड– ख
(व्यावहारिक व्याकरण) अंक 16

प्र 3 निर्देशानुसार किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर लिखिए – 1×4=4

प्र 1. 'हर्षिता बहुत विनम्र है और सर्वत्र सम्मान प्राप्त करती है।' रचना के आधार पर वाक्य भेद है –
(क) सरल वाक्य (ख) मिश्रित वाक्य (ग) संयुक्त वाक्य (घ) साधारण वाक्य

प्र 2. निम्नलिखित में मिश्र वाक्य है–
(क) मैंने एक वृद्ध की सहायता की।
(ख) जो विद्यार्थी परिश्रमी होता है वह अवश्य सफल होता है।
(ग) अध्यापिका ने अवनी की प्रशंसा की तथा उसका उत्साह बढ़ाया।
(घ) नवाब साहब ने संगति के लिए उत्साह नहीं दिखाया।

प्र 3. आज बहुत कोहरा था।
कोहरे के कारण मैंने आने का कार्यक्रम रद्द कर दिया।
इस वाक्य का संयुक्त वाक्य में रूपांतरण होगा–
(क) क्योंकि आज बहुत कोहरा था इसलिए मैंने आने का कार्यक्रम रद्द कर दिया।
(ख) मेरे आने का कार्यक्रम कोहरे के कारण रद्द हो गया ।
(ग) आज बहुत कोहरा होने के कारण मैंने आने का कार्यक्रम रद्द कर दिया।
(घ) आज बहुत कोहरा था इसलिए मैंने आने का कार्यक्रम रद्द कर दिया।

प्र 4. जहाँ मैं रहती हूँ, वहीं एक मंदिर है–
रेखांकित उपवाक्य का भेद है –
(क) संज्ञा उपवाक्य (ख) सर्वनाम उपवाक्य
(ग) विशेषण उपवाक्य (घ) क्रिया विशेषण उपवाक्य

प्र 5. निम्नलिखित में सरल वाक्य है–
(क) परिश्रमी व्यक्ति ही सफलता प्राप्त करते हैं।
(ख) जैसे ही वर्षा हुई वैसे ही पक्षी चहचहाने लगे।
(ग) छात्र परिश्रम करते हैं और जीवन में सफल होते हैं।
(घ) जब तक वह घर पहुँचा तब तक उसके पिता जा चुके थे।

प्र 4. निर्देशानुसार किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर लिखिए– 1×4=4

प्र 1. निम्नलिखित वाक्य का वाच्य लिखिए–
पिताजी के द्वारा कार चलाई गई ।
(क) कर्तृवाच्य (ख) कर्मवाच्य (ग) भाव वाच्य (घ) करण वाच्य

प्र 2. मित्र विपत्ति में मदद करते हैं।
उपर्युक्त वाक्य का कर्मवाच्य का सही विकल्प छाँटिए–
(क) मित्र विपत्ति में मदद कर रहे हैं। (ख) मित्रों के द्वारा विपत्ति में मदद की जाती है।
(ग) मित्रों से विपत्ति में मदद की जाएगी। (घ) मित्रों से विपत्ति में मदद नहीं की जाती।

प्र 3. वे आज रात यहीं ठहरेंगे। दिए गए वाक्य का भाव वाच्य का सही विकल्प है–
(क) उनसे आज रात यहीं पर ठहरा जाएगा। (ख) उन्हें आज रात यहीं ठहरना होगा ।
(ग) उनसे आज रात यहीं ठहरा जाएगा। (घ) उनके द्वारा आज रात यहीं पर ठहरना होगा।

प्र 4. निम्नलिखित वाक्यों में से कर्तृवाच्य वाला वाक्य छाँटिए–
(क) चिड़िया से उड़ा जाएगा । (ख) मुझसे यूं चुपचाप नहीं बैठा जाता ।
(ग) हर्ष के द्वारा गीत गाया जा रहा है । (घ) प्रधानमंत्री ने बहादुर बच्चों को पुरस्कार दिए।

प्र 5. निम्नलिखित में से कौन– सा भाव वाच्य का सही विकल्प है?
(क) उठो जरा घूमें। (ख) उठो, जरा घूमा जाए।
(ग) उठो, जरा घूमते हैं । (घ) उठो, अब घूमते हैं।

Contd....4.

प्र 5. निर्देशानुसार **किन्हीं चार** प्रश्नों के उत्तर लिखिए– 1×4=4

प्र 1. आज तुमने थोड़ा–सा ही दूध क्यों पिया?'' रेखांकित पद का परिचय है –
(क) निश्चित परिमाणवाचक विशेषण, एकवचन, पुल्लिंग, दूध विशेष्य का विशेषण
(ख) अनिश्चित परिमाणवाचक विशेषण, एकवचन, पुल्लिंग, दूध विशेष्य का विशेषण
(ग) संख्यावाचक विशेषण, स्त्रीलिंग, दूध विशेष्य का विशेषण
(घ) अनिश्चित संख्यावाचक विशेषण, स्त्रीलिंग, दूध विशेष्य का विशेषण

प्र 2. मैं खुद पढ़ लूंगी ।
रेखांकित पद का पद–परिचय है–
(क) अन्य पुरुषवाचक सर्वनाम, एकवचन, स्त्रीलिंग
(ख) रीतिवाचक क्रिया विशेषण, पढ़ लूंगी क्रिया की विशेषता
(ग) निजवाचक सर्वनाम, एकवचन, स्त्रीलिंग
(घ) उत्तम पुरुषवाचक सर्वनाम, एकवचन, स्त्रीलिंग

प्र 3. हम सभी भारतीयों का अभिवादन करते हैं–
रेखांकित पद का पद–परिचय होगा–
(क) व्यक्तिवाचक संज्ञा, बहुवचन, पुल्लिंग, संबंध कारक
(ख) जातिवाचक संज्ञा, बहुवचन, पुल्लिंग, संबंध कारक
(ग) गुणवाचक विशेषण, बहुवचन, पुल्लिंग, सभी विशेषण
(घ) गुणवाचक विशेषण, एकवचन, पुल्लिंग, हम विशेष्य

प्र 4. राधिका पत्र लिखती है– रेखांकित पद का पद– परिचय है–
(क) अकर्मक क्रिया, एकवचन, स्त्रीलिंग, वर्तमान काल
(ख) सकर्मक क्रिया, एकवचन, स्त्रीलिंग, भूतकाल
(ग) सकर्मक क्रिया, एकवचन, स्त्रीलिंग, वर्तमान काल
(घ) संयुक्त क्रिया, एकवचन, वर्तमान काल

प्र 5. वे लड़के दुकान से पुस्तकें लाए– रेखांकित पद का पद– परिचय है
(क) सार्वनामिक विशेषण, एकवचन, स्त्रीलिंग, विशेष्य लड़के
(ख) सार्वनामिक विशेषण, बहुवचन, पुल्लिंग, विशेष्य लड़के
(ग) गुणवाचक विशेषण, कर्त्ता से संबंध, बहुवचन, पुल्लिंग
(घ) सार्वनामिक विशेषण, लड़के विशेष्य, बहुवचन , स्त्रीलिंग

प्र 6. निर्देशानुसार **किन्हीं चार** प्रश्नों के उत्तर लिखिए– 1×4=4

प्र 1. चढ़ चेतक पर तलवार उठा, करता था भूतल पानी को
राणा प्रताप सर काट काट, करता था सफल जवानी को
उपर्युक्त काव्य पंक्तियों में निहित रस है–
(क) करुण (ख) हास्य (ग) वीर (घ) वात्सल्य

प्र 2. विस्मय (आश्चर्य) किस रस का स्थायी भाव है?
(क) शांत रस (ख) वीर रस (ग) अद्‌भुत रस (घ) हास्य रस

प्र 3. ''रे नृप बालक काल बस बोलत तोहि न संभार।
धनुही सम त्रिपुरारि धनु विदित सकल संसार ।।
उपर्युक्त काव्य पंक्तियों में निहित रस है–
(क) वीर रस (ख) रौद्र रस (ग) भक्ति रस (घ) अद्‌भुत रस

प्र 4. ''देख यशोदा शिशु के मुख में सकल विश्व की माया।
क्षण भर को वह बनी अचेतन हिल ना सकी कोमल काया'–
पंक्तियों में किस रस का स्थायी भाव है–
(क) आश्चर्य (ख) निर्वेद (ग) जोश (घ) ईश्वर के प्रति समर्पण

प्र 5. करुण रस का उदाहरण है–
(क) कहत, नटत, रीझत, खीजत, मिलत ,खिलत, लजियात ।
भरे भौन में करत हैं नैनन ही सौं बात।।
(ख) देखि सुदामा की दीन दसा करुना करि के करुनानिधि रोये।
पानी परात को हाथ छुयो नहिं, नैननि के जल सों पग धोये।।
(ग) श्रीकृष्ण के सुन वचन अर्जुन क्रोध से जलने लगे
सब शोक अपना भूलकर करतल –युगल मलने लगे
(घ) मैं तूफानों में चलने का आदी हूँ, तुम मत मेरी मंजिल आसान करो

खंड– ग
(पाठ्यपुस्तक) अंक–14

प्र 7. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सही विकल्प चुनकर लिखिए– 1×5=5

किंतु, बालगोबिन भगत गाए जा रहे हैं! हाँ, गाते–गाते कभी–कभी पतोहू के नजदीक भी जाते और उसे रोने

Contd....5.

के बदले उत्सव मनाने को कहते। आत्मा परमात्मा के पास चली गई, विरहिनी अपने प्रेमी से जा मिली, भला इससे बढ़कर आनंद की कौन बात? मैं कभी–कभी सोचता, यह पागल तो नहीं हो गए। किंतु नहीं, वह जो कुछ कह रहे थे उसमें उनका विश्वास बोल रहा था– वह चरम विश्वास जो हमेशा ही मृत्यु पर विजयी होता आया है।

बेटे के क्रिया–कर्म में तूल नहीं दिया; पतोहू से ही आग दिलाई उसकी। किंतु ज्योंही श्राद्ध की अवधि पूरी हो गई, पतोहू के भाई को बुलाकर उसके साथ कर दिया, यह आदेश देते हुए कि इसकी दूसरी शादी कर देना। इधर पतोहू रो–रोकर कहती – मैं चली जाऊँगी तो बुढ़ापे में कौन आपके लिए भोजन बनाएगा, बीमार पड़े, तो कौन एक चुल्लू पानी भी देगा? मैं पैर पड़ती हूँ, मुझे अपने चरणों से अलग नहीं कीजिए। लेकिन भगत का निर्णय अटल था। तू जा, नहीं तो मैं ही इस घर को छोड़कर चल दूँगा– यह थी उनकी आखिरी दलील और इस दलील के आगे बेचारी की क्या चलती?

प्र (1) बेटे की मृत्यु पर बालगोबिन भगत क्या कर रहे थे?
(क) गीत गा रहे थे। (ख) रो रहे थे।
(ग) कभी रो रहे थे, कभी गा रहे थे। (घ) गुमसुम होकर बैठे थे।

प्र (2) भगत पुत्र की मृत्यु पर पतोहू को क्या करने के लिए कह रहे थे?
(क) रोना बंद करने को। (ख) धीरज धरने को।
(ग) अंतिम कर्म की तैयारी करने को। (घ) रोने के बदले उत्सव मनाने को।

प्र (3) भगत की दृष्टि में पुत्र की मृत्यु आनंद की बात थी, क्योंकि–
(क) पुत्र को घोर कष्ट से मुक्ति मिली थी। (ख) आत्मा परमात्मा से जा मिली थी।
(ग) (क) तथा (ख) दोनों (घ) वे उसकी बीमारी से तंग आ चुके थे।

प्र (4) भगत ने पतोहू के भाई को क्या आदेश दिया?
(क) उसे कुछ दिनों बाद वापस पहुँचा जाने का। (ख) उसकी दूसरी शादी कर देने का।
(ग) उसे कहीं आने–जाने से रोकने का। (घ) उसे खेती करने जाने का।

प्र (5) भगत की पतोहू अपने भाई के साथ जाने को क्यों तैयार हो गई?
(क) भगत का घर अच्छा नहीं लगने के कारण।
(ख) मायके की याद आने के कारण।
(ग) भाई द्वारा वहाँ से चलने की जिद करने के कारण।
(घ) भगत का खुद घर छोड़कर चले जाने की धमकी देने के कारण।

प्र 8 निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर के सही विकल्प चुनकर लिखिए– 1×2=2

प्र 1. नेता जी की मूर्ति कितने दिनों में बनकर तैयार हुई?
(क) 3 माह (ख) 4 माह (ग) 1 माह (घ) 10 माह

प्र 2. ''नेताजी का चश्मा' कहानी में कैप्टन कौन था?
(क) हालदार साहब (ख) पानवाला (ग) चश्में बेचने वाला (घ) अध्यापक

प्र 9. निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सही विकल्प चुनकर लिखिए– 1×5=5

देखि कुठारु सरासन बाना। मैं कछु कहा सहित अभिमाना।।
भृगुसुत समुझि जनेउ बिलोकी। जो कछु कहहु सहौं रिस रोकी।।
सुर महिसुर हरिजन अरु गाई। हमरे कुल इन्ह पर न सुराई।।
बधें पापु अपकीरति हारें। मारतहू पा परिअ तुम्हारें।।
कोटि कुलिस सम बचनु तुम्हारा। ब्यर्थ धरहु धनु बान कुठारा।।
जो बिलोकि अनुचित कहेउँ छमहु महामुनि धीर।
सुनि सरोष भृगुबंसमनि बोले गिरा गंभीर।।

प्र (1) परशुराम राम–लक्ष्मण को क्या दिखाकर डरा रहे थे?
(क) तलवार (ख) फरसा (ग) गदा (घ) धनुष–बाण

प्र (2) लक्ष्मण के कुल में किस पर वीरता नहीं दिखाई जाती?
(क) ब्राह्मण (ख) भैंस (ग) अपराधी (घ) हिरण

प्र (3) परशुराम गले में क्या धारण किए हुए थे?
(क) माला (ख) सर्प (ग) जनेऊ (घ) हार

प्र (4) लक्ष्मण का आक्षेप सुनकर परशुराम की क्या प्रतिक्रिया हुई?
(क) वे शांत हो गए (ख) क्रोध में भर उठे
(ग) वाणी गंभीर हो गई (घ) दूसरा व तीसरा विकल्प उचित

प्र (5) परशुराम के कटु वचनों को लक्ष्मण ने किसके समान बताया?
(क) हज़ारों काँटों के समान (ख) करोड़ों वज्रों के समान
(ग) हज़ारों फरसों के समान (घ) फूल के समान

Contd....6.

प्र 10. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर सही विकल्प चुनकर लिखिए – 1×2=2

प्र 1. गोपियाँ किस कारण व्याकुल हैं?

(क) भूख के कारण (ख) प्यास के कारण

(ग) शारीरिक व्याधि के कारण (घ) कृष्ण वियोग के कारण

प्र 2. सूरदास किस काव्य धारा के कवि थे?

(क) ज्ञान मार्गी काव्य धारा (ख) राम भक्ति काव्य धारा

(ग) कृष्ण भक्ति काव्य धारा (घ) निर्गुण मार्गी काव्य धारा

*****